वित्तीय वर्ष 2025–26 की ए0आई0पी0 अन्तर्गत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट युनिट के रखरखाव/संचालन/ चेलेंज का संक्षिप्त विवरण

प्रायः देखा जाता है कि ग्रामों में सामुदायिक रूप से जगह–जगह कूड़े करकट के ढेर लगे रहते हैं, जिससे ग्रामों में गंदगी तो होती ही है तथा उनमें जैविक, अजैविक तथा मेडिवेस्ट सभी प्रकार के अपशिष्ट मिश्रित होते हैं जिनके हवा–पानी के सम्पर्क आते ही विभिन्न प्रकार की संक्रामक बीमारियां उत्पन्न होने का हमेशा खतरा बना रहता है। इस प्रकार के ठोस अपशिष्ट के उचित प्रबन्धन को ध्यान में रखकर जिलाधिकारी महोदय, जालौन की प्रेरणा से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के घटकीय उद्देश्य की प्राप्ति हेतु ग्रामों को प्लास्टिक मुक्त, दृश्यमान स्वच्छता तथा ओ0डी0एफ0 की स्थिरता को बनाये रखने के दृष्टिगत ग्राम पंचायतों में तैनात सफाई कर्मचारियों के माध्यम से विशेष स्वच्छता के तहत ''हमाओ कूड़ा–हमाई जुम्मेवारी'' वृहद स्तर पर प्लास्टिक एकत्रीकरण अभियान संचालित किया जा रहा है।

जनपद की 02 ग्राम पंचायतों में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट युनिट की स्थापना की गयी है, उक्तानुसार सफाई अभियान अन्तर्गत जनपद के 185 क्लस्टर के अनुरूप ग्राम पंचायतों से सफाई कर्मचारी प्रतिदिवस प्लास्टिक कचरे को बोरियों में भरकर अपने विकासखण्ड के नियत स्थल पर एकत्रित कराते हुए समीपस्थ विकासखण्ड में निर्मित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबन्धन केन्द्र में निस्तारण हेतु एकत्रित किया जा रहा है। जनपद के 09 विकासखण्डों से अब तक लगभग 950 बोरी (अनुमानित 19 कुन्तल) प्लास्टिक एकत्रित कर लिया गया है। समस्त ग्राम पंचायतों से नियमित प्लास्टिक एकत्रित कराना तथा स्थापित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट युनिट तक नियमित पंहुचाये जाने की आवश्यकता है।

स्वच्छता अभियान में जनमानस को प्लास्टिक से होने वाली घातक बीमारियों से बचने हेतु प्रचार–प्रसार के माध्यम से प्रेरित भी किया जा रहा है, जिससे ग्रामों के चारों ओर व्याप्त प्लास्टिक अपशिष्ट पर पूर्णता नियंत्रण पाया जा सके। जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्रामों को नियमित स्वच्छ बनाये जाने के लिए किए जा रहे इन अभिनव प्रयास में सामुदायिक सहभागिता से ग्रामों को प्लास्टिक मुक्त बनाये जाने का कार्य किया जा रहा है।